5 मच्छर और मलेरिया

EZJU2P

चंदू कई दिनों बाद आज स्कूल आया। वह काफी कमजोर दिखाई दे रहा था। चंदू के दोस्तों ने उससे पूछा "तुम्हें क्या हो गया था" ? उसने बताया कि मलेरिया हो गया था।

बच्चों ने शिक्षक से पूछा कि मलेरिया कैसे होता है? शिक्षक ने कहा– चलो, पहले चंदू से ही पूछते हैं।

चंदू ने बताया कि ठण्ड के साथ कँपकँपी होकर बुखार आया और हाथ–पैरों में दर्द हुआ। जब डॉक्टर के पास ले जाया गया तो उन्होंने हाथ की उँगली में सुई चुभोकर खून निकालकर काँच की पट्टी पर फैला दिया और खून लगी काँच की पट्टी को बक्से में रख दिया।

डॉक्टर ने दूसरे दिन रिपोर्ट ले जाने को कहा। रोग की पुष्टि हेतु अगले दिन डॉक्टर ने रिपोर्ट देते हुए कहा कि तुम्हें मलेरिया हो गया है। डॉक्टर ने गोलियाँ खाने को दीं।

शिक्षक ने चन्दू से पूछा– खून निकालने के लिए डॉक्टर ने कैसी सुई ली थी, नई या पुरानी?

चंदू ने बताया– डॉक्टर ने नई सुई ली थी।

शिक्षक ने बताया– आजकल इंजेक्शन लगाने के लिए या खून निकालने के लिए नई सुई का उपयोग किया जाता है।

क्या तुम्हारे घर में किसी को मलेरिया हुआ है? मलेरिया होने पर क्या किया?

....

....

मलेरिया होने पर क्या होता है? अपने शिक्षक के साथ चर्चा करो और लिखो।

....

....

ePNj vkj eyfj;k

मच्छरों के कारनामों को तो तुमने भोगा ही होगा। रात भर ये भिनभिनाते रहते हैं। बुरी तरह से काटते हैं और कई बार नींद खराब कर देते हैं।

मलेरिया एक तरह के मच्छर के काटने से फैलता है। जो मच्छर हमें काटती है वह मादा एनाफिलिज होती है।

मादा मच्छर कई जन्तुओं जैसे गाय, बैल, बकरियों और इंसानों का खून चूसती है। जब मादा मच्छर किसी को काटती है तो वह चुपचाप खून चूसती है। जब वह काटकर खून चूस लेती है तब हमें काटने का अहसास होता है।

vkj dku&I: tr| g| tk [ku pIr| g|

....

D;k ;: Hkh dkb: jkx Qykr: gA viu f'k{kd l: irk djkA

....

खून चूसने के दौरान मादा मच्छर चमड़ी में सूँड़ चुभोती है। जब मादा मच्छर काटती है तो खून जमे नहीं, इसके लिए लार छोड़ती है। इस लार में मलेरिया के रोगाणु भी हो सकते हैं। यदि मच्छर की लार के जरिए रोगाणु, इंसान के खून में चले जाएँ तो कुछ दिनों बाद वह मलेरिया से पीड़ित हो सकता है। नर मच्छर नहीं काट सकता क्योंकि उसकी सूँड़ तेज और धारदार नहीं होती। मलेरिया के रोगाणु को अपना जीवन चक्र पूरा करने के लिए पुनः मादा मच्छर में आना आवश्यक होता है।

अगर किसी इंसान के खून में मलेरिया के रोगाणु होते हैं और उसको मादा मच्छर काट ले तो इंसान के खून के साथ मलेरिया के रोगाणु मादा मच्छर के शरीर में चले जाते हैं इस तरह मादा मच्छर मलेरिया के रोगाणुओं को एक इंसान से दूसरे में फैलाने का काम करती है।

जब ये रोगाणु मादा मच्छर के काटने से इंसान के शरीर में पहुँचते हैं तो 10–15 दिनों के बाद मलेरिया हो सकता है।

eyfj;k gku ij D;k dj\

यदि किसी को अचानक कँपकँपी के साथ बुखार आता है तो उसको अस्पताल ले जाना चाहिए।

eyfj;k dh tkp vLirky e dl dh tkrh g\ MkDVj ;k LokLF; dk;drk ;k cMk l irk djk

---

---

irk djk fd rEgkj ;gk eyfj;k dh tkp dgk gkrh g

जिस किसी को मलेरिया होता है उसको दवा खानी होती है। इस दवा की खुराक पूरी लेनी जरूरी होती है। यदि दवा की खुराक पूरी न ली जाए तो मलेरिया जड़ से खत्म नहीं होता। डॉक्टर कहते हैं कि मलेरिया की दवा लेने के दौरान मरीज को भरपेट खाना, फल और दूध का सेवन कराना चाहिए, खूब पानी पिलाना चाहिए। कई बार मलेरिया में उल्टी भी होती है। उल्टी से घबराकर ऐसा नहीं करें कि मरीज को खिलाना–पिलाना बंद कर दें।

dl cp eyfj;k l\

मलेरिया से बचने का सबसे बढ़िया तरीका है मच्छरों को पनपने से रोका जाए।

rEgkj ;gk ePNjk dk ekju d fy, D;k dkbZ nok fNMdh tkrh g

---

rEgkj ;gk fdl ekle e ePNj T;knk fn[kkbZ nrk g\ lkpdj crkvk

---

viu vkl&ikl irk djk fd dku&dku lh txg T;knk ePNj ik, tkrk g

---

ePNj dk v/;;u

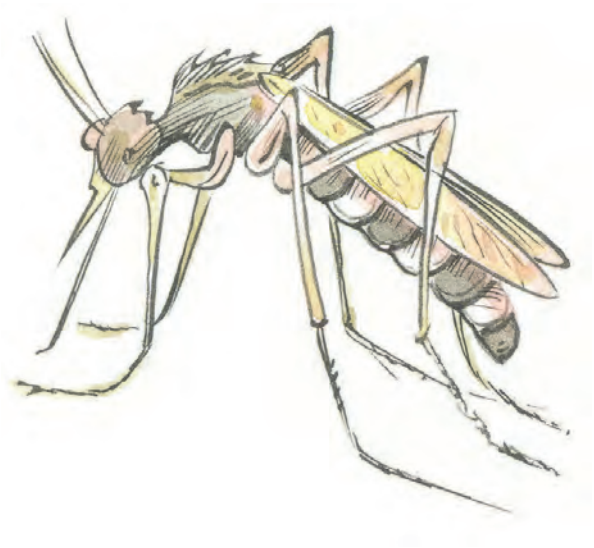

कहीं से एक बड़ा मच्छर पकड़ लो।

ePNj e re D;k&D;k n[k ik jg gk

.....

.....

अब मच्छर को हैंडलेंस से देखो।

ePNj dh Vkx fdruh g\ i[k fdru g\ fxudj fy[kkA

---

ePNj dk fp= viuh dkih e cukvkA

क्या तुम्हें मालूम है कि मच्छर अंडे कहाँ देते हैं? अपने घर अथवा स्कूल के आस–पास ऐसी जगह ढूँढो जहाँ कई दिनों से पानी रुका हुआ हो। इस पानी को ध्यान से देखो।

#d g, xn ikuh e vxy i"B ij fn[kk, x, fp= d vuqlkj D;k dkbZ tho fn[kkbZ n jg g

.....

budh fp= viuh dkih e cukvkA

एक काँच की खाली शीशी लो। इसमें डबरे का पानी भर लो। डबरे का पानी भरते समय मच्छर की इल्लियाँ आदि भी आ जाएँ। अब इस शीशी के मुँह को कागज या पोलीथीन से बाँध दो। शीशी में हवा आने–जाने के लिए कागज में छेद कर दो।

इस शीशी को किसी सुरक्षित स्थान पर रख दो। अब रोजाना इस शीशी में देखो। आगे चित्र में मच्छर के जीवन चक्र की अलग–अलग अवस्थाएँ दिखाई जा रही हैं।

शीशी का रोज अवलोकन करो। क्या तुम शीशी में इन अवस्थाओं को देख पाते हो?

D;k dkbZ ePNj 'kh'kh d vanj fn[kkbZ n jgk g

.....

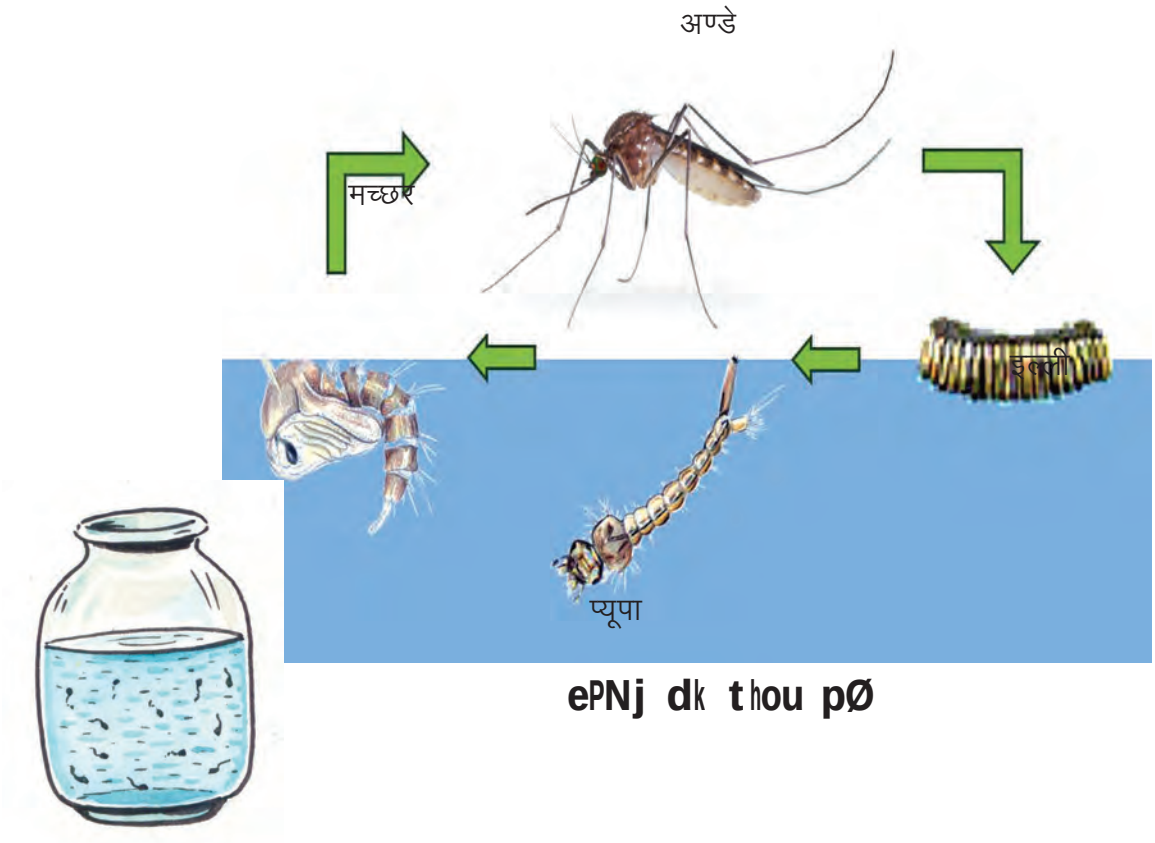

ePNj dk thou pØ

यह तो तुम जान ही गए हो कि मच्छर अंडे कहाँ देते हैं।

;fn ePNjk dk lQk;k djuk g rk D;k doy ePNjk dk ekju l ckr cu tk,xh\ ;k ePNjk d vMk ,o bfYy;k dk Hkh lQk;k djuk gkxk\ d{kk e ppk djk vkj viu 'kCnk e fy[kkA

.....

.....

ePNjk dk ekju d fy, D;k rjhd viuk, tkr g

---

ePNjk d vM&bYyh u iui bld fy, D;k djuk pkfg,\ viu nkLrk d lkFk ppk djk vkj fy[kkA

---

rEgkj ;gk ePNjk dk ekju d fy, LokLF; foHkkx dh vkj l D;k i;kl fd, tkr g

---

रात को सोते समय मच्छरों से बचने के लिए कई लोग मच्छरदानी लगाते हैं। कई लोग पतला कपड़ा ओढ़ लेते हैं।

;fn rEgkj ;gk ePNjk l cpu d vkj Hkh rjhd viuk, tkr g rk mud ckj e Hkh fy[kkA

मच्छर, मलेरिया के अलावा भी कई बीमारियाँ फैलाते हैं। इनके बारे में तुम अपने शिक्षक या बड़ों से चर्चा करो।

क्यों चढ़ा ग्लूकोज

मलेरिया जैसी बीमारियों के अलावा एक सामान्य बीमारी है, उल्टी दस्त का होना। नीतू को पूरे दिन लगातार उल्टी होती रही, साथ में दस्त भी लग गए थे। उसकी माँ ने नमक और चीनी को बराबर मात्रा में पानी में घोल कर पीने को दिया। तबियत में सुधार नहीं आने पर नीतू के माता–पिता उसे डॉक्टर के पास ले गए। डॉक्टर ने उसे अस्पताल में भर्ती कर ग्लूकोज चढ़ाने को कहा। स्कूल में खेल के दौरान टीचर कई बार ग्लूकोज पीने को देती हैं पर अब ग्लूकोज चढ़ना क्यों हैं? डॉक्टर ने कहा – ''खाना व पानी तुम्हारे शरीर में न रूकने की वजह से शरीर में कमजोरी आ गई है। तुम्हारा पेट खराब है। ग्लूकोज चढ़ाने से, बिना खाए–पिए तुम्हें जल्दी ताकत मिल जाएगी।''

- क्या तुम्हें या तुम्हारे घर में कभी किसी को ग्लूकोज चढ़ाया गया है? कब और क्यों? उसके बारे में साथियों को बताओ।
- खिलाड़ी को खेलते समय बीच–बीच में ग्लूकोज पीने को क्यों कहा जाता है?

अनीमिया क्या है

चन्दू को मलेरिया हुआ था। इलाज कराने पर चन्दू ठीक हो गया। परन्तु उसके शरीर का रंग सफेद दिखाई दे रहा था।

थोड़ा सा चलने या काम करने पर वह थक जाता था। उसकी साँस फूलने लगती।

छोटी–छोटी बातों पर वह चिड़चिड़ाने लगता।

चन्दू की माँ उसे लेकर डॉक्टर के पास पहुँची।

डॉक्टर ने जाँचकर बताया कि चन्दू खून की कमी या अनीमिया रोग से ग्रसित है।

खून में हीमोग्लोबीन या आयरन की कमी अनीमिया है। हीमोग्लोबीन या आयरन की कमी को दूर करने के लिए डॉक्टर दवाई के साथ–साथ गुड़, आँवला और हरी पत्तेदार सब्जियाँ खाने की सलाह देते हैं। रक्त में हीमोग्लोबीन की नॉर्मल रेन्ज सामान्य पुरुष में 13.5 से 17.5 ग्राम प्रति डेसीलीटर, महिला में 12.0 से 15.5 ग्राम प्रति डेसीलीटर होती है।

किसी डॉक्टर से या अपने बड़ों से पूछकर पता करो कि खाने की किन–किन चीजों में आयरन होता है।

geu D;k lh[kk \

ekf[kd

1. मच्छर के काटने पर होने वाले किसी एक रोग का नाम बताओ।
2. अपने आस–पास मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए तुम क्या उपाय करोगे?
3. मच्छर का जीवन चक्र किन अवस्थाओं से गुजरता है?

fyf[kr

1. मलेरिया किस कारण से होता है?
2. मच्छरों से बचाव के उपाय लिखो?
3. मलेरिया के मुख्य लक्षण क्या होते हैं?
4. मलेरिया होने पर क्या करना चाहिए?

[kkstk vkl&ikl

1. हमारे आस–पास मच्छर न पनपे, इसके लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

EZRP59